दूसरे चरण के लिए प्रचार में जुटे मुख्यमंत्री

मोहन के मेगा रोड शो और जनसभाओं से भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर

सच प्रतिनिधि || भोपाल

भाजपा के मिशन अबकी बार 400 पार को लेकर पार्टी का प्रचार चरम पर है। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव प्रदेश के प्रत्येक लोकसभा क्षेत्र में जनसभाएं ले चुके हैं। भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में उनकी जनसभाएं और रोड शो अनवरत जारी है। सीएम डा. यादव आज खंडवा पहुंचे और लोकसभा प्रत्याशी ज्ञानेश्वर पाटिल की नामांकन सभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री आज मंदसौर भी पहुंचेंगे जहां पार्टी प्रत्याशी से सुधीर गुप्ता के नामांकन में उपस्थित रहेंगे और जनसभा को संबोधित करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के साथ मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव की जनसभाओं और रोड शो से भाजपा कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर है। कल मुख्यमंत्री ने होशंगाबाद नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में सोहागपुर में जनसभा की तो इटारसी में रोड़ शो किया। इटारसी से डा. मोहन सड़क मार्ग से भोपाल आए, रास्ते में पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, संवाद कर प्रदेश की सभी 29 सीटें जीतने के लिए जुटने का आव्हान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के स्वागत के लिए कार्यकर्ताओं में भरपूर जोश और उत्साह दिखाई दिया। कार्यकर्ताओं ने अपने मुख्यमंत्री के स्वागत के लिए विशेष रूप से सड़क के किनारे 5 जेसीबी बुलाई। जेसीबी पर कार्यकर्ताओं ने चढकर मुख्यमंत्री सहित सभी नेताओं पर पुष्प वर्षा की। जेसीबी के पंजे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पोस्टर लगाए गए थे, जो कि आकर्षण का केंद्र रहे। इटारसी से भोपाल लौटते समय होशंगाबाद, बुधनी, बरखेड़ा, औबेदुल्लागंज, मंडीदीप सहित अन्य स्थानों पर की कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मुख्यमंत्री को खुद के बीच पाकर कार्यकर्ताओं की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव का इटारसी में कार्यकर्ताओं के अलावा शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिकों ने 100 से अधिक स्थानों पर भव्य स्वागत किया। उनके ऊपर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया।

इसके पूर्व श्री यादव ने टीकमगढ़ में कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से देश के हिन्दू-मुसलमानों के बीच में दरार डालने का कार्य किया है। कांग्रेस आपस में लड़ाकर, झूठ बोलकर राज करती रही। हिन्दुस्तान-पाकिस्तान का बंटवारा भी कांग्रेस ने ही कराया था, क्योंकि उस समय न जनसंघ था और न ही भारतीय जनता पार्टी थी। श्रीराम मंदिर के मामले में भी पांच-पांच सरकार गिराने का पाप कांग्रेस के माथे पर है। आजादी से पहले अंग्रेजों ने देश में फूट डालो शासन करो की नीति अपनाई थी और आजादी के बाद से कांग्रेस भी इसी नीति के सहारे देश में वर्षों तक राज करती रही, लेकिन अब देश का हिन्दू-मुसलमान कांग्रेस की इस नीति को समझ गया है। अब देश प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लगातार आगे बढ़ रहा है। भारत माता के पीछे 56 इंच के सीने वाला बब्बर शेर खड़ा हुआ है। यह बातें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कही। वे टीकमगढ़ लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी डॉ वीरेंद्र खटीक के समर्थन में आयोजित रोड शो एवं होशंगाबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी दर्शन सिंह चौधरी के समर्थन में सोहागपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने इटारसी में भी रोड शो में अपनी सहभागिता की।

जवानों-किसानों को दिलाया उनका सम्मान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जवान देश की सुरक्षा करता है। 24 घंटे वह भारत माता की रक्षा के लिए संघर्ष करता है। इसी तरह हमारे देश का किसान भी सबको अन्न मिले, इसके लिए लगातार जुटा रहता है, लेकिन कांग्रेस की सरकार में कभी भी देश के जवान और किसानों को उनका सम्मान नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी देश के जवानों और किसानों को उनका सम्मान दिलवा रहे हैं। वे किसानों के अधिकारों के लिए उन्हें सम्मान निधि दे रहे हैं तो वहीं उनकी फसलों का उचित दाम भी दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी देश की सीमा पर जाकर जवानों के साथ दीवाली मनाते हैं, उनके साथ पटाखे भी फोड़ते हैं। इससे पहले ऐसा सम्मान किसी ने नहीं दिया।

रोड शो के बाद चलाई चरखी पिया गन्ने का जूस

टीकमगढ़ में रोड शो के बाद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने हेलीपैड जाते समय सिविल लाइन रोड पर सड़क किनारे लगे गन्ने के ठेले के पास काफिला रुकवाया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने गन्ने की चरखी भी चलाई। उन्होंने भी यहां पर गन्ने का रस पिया एवं ठेले वाले को पर्स में से पैसे भी निकालकर दिए।

जैसे को तैसा जवाब देना भारत को आता है

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पहले कभी दिल्ली, कभी मुंबई, कभी भी, कहीं भी बम विस्फोट हो जाते थे। कोई सुरक्षित नहीं था, लेकिन अब देश में यह स्थिति नहीं है। अब कहीं भी बम नहीं फूटते हैं और अब तो यह स्थिति हो गई है कि यदि गलती से कहीं छोटा पटाखा भी फूट जाए तो पाकिस्तान कहता है कि हमने नहीं फोड़ा है। यह हमारे देश और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी की ताकत है। पाकिस्तान ने भी एक बार बालकोट में गलती कर दी थी, जिसके बाद जो कुछ हुआ वह पूरी दुनिया ने देखा। किस तरह से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सेना ने पाकिस्तान के अंदर घुसकर उसको सबब सिखाया था। पाकिस्तान ने हमारे देश के वीर अभिनंदन को पकड़ लिया था। उस समय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान ने बहुत बड़ी गलती की है और इस गलती का खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसके बाद पाकिस्तान ने देश के वीर अभिनंदन को भी सुरक्षित भारत भेजा था। जैसे को तैसा जबाव देना भारत को आता है।

कांग्रेस ने मंदिर में हमेशा से अड़ंगे लगाए

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से अयोध्या के श्रीराम मंदिर में अड़ंगे लगाए। वे हमेशा से देश के अंदर हिन्दू-मुसलमान के बीच में गलत संदेश देते रहे। उनके बीच में फूट डालते रहे, लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो इसका स्वागत क्या हिन्दू, क्या मुसलमान पूरे देश ने किया। अयोध्या के अंदर भगवान श्रीराम के मामले में कांग्रेस ने हमेशा से गलती की। देशभर में सब यही चाहते थे कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हो, लेकिन कांग्रेस हमेशा से यह चाहती थी कि यहां पर श्रीराम मंदिर नहीं बने, क्योंकि मंदिर के बहाने ही कांग्रेस राजनीति करती रही। मुख्यमंत्री श्री यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में देश में जितने दंगे हुए, जितने कर्फ्यू लगे उतने कभी नहीं लगे थे। जब कश्मीर से धारा 370 हटाने के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने मोर्चा खोला तो उस समय भी कांग्रेस के लोग कहते फिरे कि यदि 370 धारा हटेगी तो देश में खून की नदिया बह जाएंगी, लेकिन जिस तरह से हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में धारा 370 हटाने का कार्य हुआ है वह पूरे देश के लिए गर्व करने की बात है। अब तो कश्मीर के अंदर आनंद ही आनंद है। अब तो पाकिस्तान के लोग भी कहते हैं कि उनके यहां भी श्री नरेंद्र मोदी को होना चाहिए था।

भारत माता के पीछे 56 इंच का बब्बर शेर है

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारत माता की रक्षा के लिए उनके पीछे 56 इंच वाला बब्बर शेर खड़ा हुआ है। मध्यप्रदेश की धरती पर टाईगर है तो गुजरात की धरती पर बब्बर शेर हैं। यह देश का स्वर्णिम काल चल रहा है, लेकिन कांग्रेस के लोग इस स्वर्णिम काल में भी उलटी ही बातें करते हैं। कांग्रेस के लोग कहते थे कि यदि देश में मोदी आ गए तो देश में दंगे होंगे, झगड़े होंगे, लेकिन अब हमारे देश में श्रीराम नवमीं भी धूमधाम से मनाई जाती है तो ईद की खुशियां भी मिलकर सब मनाते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जब यूक्रेन-रूस युद्ध हुआ तो इस युद्ध में हमारे देश के 20 हजार से अधिक बच्चे फंसे थे। उस समय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रूस-यूक्रेन से बात की और उसके बाद भारत के बच्चे हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता की जय-जयकार करते हुए सुरक्षित एवं खुशियों के साथ भारत आए। सिर्फ भारत ही नहीं, पाकिस्तान के बच्चों ने भी भारत माता के सहारे अपने आपको सुरक्षित निकाला था।

स्ट्रांग रूम में सील हुई ईवीएम

सच संवाददाता || शहडोल

शहडोल लोकसभा निर्वाचन हेतु आज पुलिस ऑब्जर्वर के वी मोहन राव, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री तरुण भटनागर, पुलिस अधीक्षक श्री कुमार प्रतीक व राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में ईवीएम मशीनों को सील किया गया। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग, अनु विभागीय अधिकारी श्री अरविंद शाह, श्रीमती ज्योति सिंह परस्ते, श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे सहित राजनैतिक दल के प्रतिनिधि उपस्थिति थे।

कांग्रेस प्रत्याशी बोले हां मैं बलि का बकरा हूं

सच संवाददाता || इंदौर

इंदौर में कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ रहे अक्षय कांति बम का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वे कह रहे हैं कि कई अखबार लिखते हैं कि अक्षय बम को बलि का बकरा बना दिया है। आज मैं कहना चाहता हूं कि हां मैं बलि का बकरा हूं क्योंकि जनता को खुश करने के लिए अगर मेरे गले की बलि भी दे रहे हो तो कोई गलत नहीं है। यह बंदा बलि का बकरा है। यह वीडियो उनके चुनाव कार्यालय के उद्घाटन का है।

इस दौरान पार्टी के वरिष्ठ नेता कृपाशंकर शुक्ला, अश्विन जोशी, अर्चना जायसवाल भी मंच पर बैठे थे। अक्षय ने यह भी कहा कि इतिहास गवाह है जो कभी संघर्ष से परिचित नहीं हुआ वह कभी चर्चित नहीं हुआ। कुछ दिन पहले भाजपा नेता राजा कोठारी ने शहर में बैनर और पोस्टर लगवाए थे। इसमें अक्षय का फोटो लगाकर बलि का बकरा लिखा गया था। यह खबर सोशल मीडिया के साथ मीडिया में भी कई जगह आई। इस पर ही अक्षय ने पलटवार करते हुए बयान दिया।

प्रशासन को वोटिंग बढ़ाने की चिंता

वोटिंग पर दो दिन की छुट्टी लोग जा रहे गोवा-शिमला

सच संवाददाता || इंदौर

इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का समय नजदीक आ गया है और दोनों ही पार्टियां प्रचार के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं। दूसरी तरफ प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बढ़ चढ़कर मतदान में भाग लें। इन सबके बीच मई का महीना होने और छुट्टियां लगने की वजह से लोग बड़ी संख्या में पर्यटन के लिए बाहर भी जा रहे हैं। इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई सोमवार को मतदान होना है। सोमवार और रविवार की छुट्टी साथ पड़ने से इन दिनों के आसपास इंदौर से आने जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। गोवा, शिमला और अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए लोग प्लान बना रहे हैं।

इन दिनों में गोवा-शिमला-धर्मशाला और केरल जाने के लिए खासी वेटिंग चल रही है। मई और जून के महीने में इन सभी पर्यटक स्थलों पर खासी भीड़ रहती है। यहां के टिकट भी लगभग दोगुने रेट पर मिल रहे हैं लेकिन फिर भी लोग बड़ी संख्या में बुकिंग करवा रहे हैं। गोवा की फ्लाइट का आम दिनों में टिकट पांच से छह हजार के बीच मिलता है जो इन दिनों दस हजार रुपए तक मिल रहा है।

ट्रैवल एजेंट सचिन शर्मा बताते हैं कि वोटिंग के पहले बड़ी संख्या में लोग पर्यटन के लिए जा रहे हैं। स्कूलों की छुट्टी होने की वजह से भी यह आंकड़ा अधिक बढ़ा है। लोगों को दो दिन की छुट्टी एक साथ मिली है इसलिए वह यह मौका छोड़ना नहीं चाहते हैं। सचिन का कहना है कि बहुत से लोगों ने चुनाव की घोषणा के पहले ही इन दिनों में घूमने के लिए बुकिंग करवा ली थी। अंतिम समय में कुछ पर्यटक स्थलों पर बुकिंग बहुत महंगी हो गई है लेकिन बहुत से लोग अभी भी बुकिंग करवा रहे हैं।

इंदौर जिला प्रशासन लगातार रहवासी संघों के साथ बैठकें कर रहा है। रैलियां निकाली जा रही हैं और घर-घर दस्तक देकर लोगों से वोटिंग के लिए अपील की जा रही है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का शेड्यूल तैयार करवाया है।

प्रदेश में फीका रहा पहले चरण का मतदान

भोपाल। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के पहले चरण में शुक्रवार को छह सीटों पर 67.08 त्न मतदान दर्ज किया गया। 2019 की तुलना में यह फीका माना जा सकता है, क्योंकि यह पिछली बार से 8 फीसदी कम है। 2019 में इन छहों सीटों पर औसत 75.24 फीसदी मतदान हुआ था। छिंदवाड़ा में इस बार सबसे ज्यादा 79.18 प्रतिशत, लेकिन पिछली बार से 3.21 फीसदी कम मतदान हुआ है। शुक्रवार सुबह 13588 मतदान केंद्रों पर सुबह 7 बजे वोटिंग शुरू हुई, जो शाम 6 बजे तक चली। हालांकि, बालाघाट की लांजी, परतवाड़ा और बैहर विधानसभा सीट पर दो घंटे पहले 4 बजे मतदान प्रकिया समाप्त हो गई। हालांकि, पिछली बार करीब 10 प्रतिशत वोट प्रतिशत बढ़ा था। इस बार वोट प्रतिशत में बहुत बड़ी कमी आई है। इसके कई कारण हो सकते हैं। प्रदेश के कई शहरों में तापमान में 40 डिग्री तक पहुंच गया है। गर्मी भी एक कारण है। दूसरा पिछली बार पुलवामा अटैक समेत राष्ट्रवाद का मुद्दा बहुत हावी था। इस बार मतदाता में सत्तारूढ़ पार्टी की वापसी को लेकर भरोसा ज्यादा है। ऐसे में जानकारों का कहना है कि मतदाता वोट करने ही नहीं निकला। सत्तारूढ़ और विपक्ष दोनों ही पार्टी की तरफ से ऐसे मुद्दों का अभाव था, जो मतदाताओं को अपील नहीं कर पाए। भाजपा की मोदी की गारंटी और राम मंदिर का मुद्दा भी जोर नहीं पकड़ पाया। इसे भी वोट प्रतिशत घटने का कारण बताया जा रहा है। भाजपा ने 400 सीटों को जीतने का लक्ष्य रखा। इसके लिए भाजपा ने अपने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को प्रत्येक बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य दिया गया था। हालांकि, कम मतदान प्रतिशत ने भाजपा के बूथ मैनजमेंट की पोल खोल दी है। इससे साफ है कि भाजपा का बूथ मैनेजमेंट भी फेल हो गया है।

एग्रीकल्चर-हॉर्टिकल्चर के छात्र ले रहे प्रैक्टिकल नॉलेज

विक्रम विवि के विद्यार्थी सीख रहे खेती

सच संवाददाता || उज्जैन

मध्यप्रदेश की उज्जैनीय नगरी लोगों के दिल में बसी हुई है। इसे धार्मिक नगरी के नाम से भी जाना जाता है। अब यह नगरी कृषि के क्षेत्र में भी आगे बढ़ती जा रही है। विक्रम विश्वविद्यालय एक ऐसा विद्यालय है इसमें दूर-दूर से छात्र पढ़ने आते हैं।

विक्रम विश्वविद्यालय अब पढ़ाई के साथ विद्यार्थियों को खेती भी सीखा रहा है। विद्यार्थी बुआई से लेकर फसल लहलहाने तक उसकी देखभाल खुद कर रहे हैं। ये सब पढ़ाई के साथ किया जा रहा है, ताकि एग्रीकल्चर व हॉर्टिकल्चर के विद्यार्थियों को सिर्फ थ्योरिकल ही नहीं, बल्कि प्रेक्टिकल नॉलेज भी ऐसा हो कि शिक्षित होने के साथ ही खेती का आधुनिक अनुभव होने से फायदे-नुकसान को ध्यान में रखते हुए फसलों की अच्छे से देखभाल और अधिक पैदावार में दक्ष बन सके। इसलिए विक्रम विश्वविद्यालय छात्रों को इसे अच्छे से समझा रहा है।कुलपति प्रो. अखिलेश पांडे ने बताया कि पिछले साल चना लगाया था और इस बार डेढ़ से दो बीघा में मूंग की फसल बोई है। विद्यार्थियों ने गेहूं की फसल से शुरुआत की थी। एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के हेड डॉ. राजेश टेलर, मोनू विश्वकर्मा, रीना परमार, विकास खत्री विद्यार्थियों को खेती के लिए मार्गदर्शित कर रहे हैं। शिक्षकों ने बताया कि हार्टिकल्चर के विद्यार्थी भिंडी, लौकी व अन्य सब्जियां भी उगा चुके हैं।

विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिले यही उद्देश्य

विक्रम विश्वविद्यालय के कुलपति अखिलेश पांडे ने जानकारी देते हुए बताया कि विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा मिले इसके लिए तमाम प्रयास किया जा रहे हैं। इस बार विद्यार्थियों को बड़े-बड़े किसानों के पास में पहुंचाकर उन्हें खेती के गुण भी सीखा रहे हैं। ताकि, वे कृषि कार्य में वे इतने दक्ष हो कि कौन सी फसल कितनी फायदेमंद होगी, ये सब पता उनको रहे। भविष्य में बेहतर व आधुनिक खेती को बढ़ावा देने में ये विद्यार्थी अहम भूमिका निभा सकेंगे। इसलिए इन विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल भी कराया जा रहा है।

विद्यार्थियों को ग्रुप में बांटा गया

विक्रम विश्वविद्यालय फसले कैसे उगाते हैं, कैसे उनका रखरखाव करते है। यह सब इसमें अहम भूमिका है। विक्रम विश्वविद्यालय में एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट शुरू हुए तीन वर्ष हो चुके हैं, कुछ समय पहले देशभर के कृषि विषय के 850 विद्यार्थी विक्रम में अध्ययनरत हैं। विश्वविद्यालय द्वारा 15-15 विद्यार्थियों के ग्रुप बनाए गए हैं और 10 बाय 10 के खेत एक-एक ग्रुप को बोवनी से लेकर पानी देने तक की देखभाल के लिए दिए हैं। इसके पीछे उद्देश्य यही है कि विद्यार्थी पढ़ाई के साथ खेती को लेकर ये सीख सकें कि कब बीज बोना है, कब-कब पानी देना, किस तरफ फसल की देखभाल करना है और फसल को कीटनाशक से बचाना है तो कीटनाशक की मात्रा कितनी हो यह विद्यार्थियों को प्रैक्टिकल सीखने को मिल रहा है।

बुंदेलखंड टू बनारस इकोनॉमिक कॉरिडोर से बढ़ेगा धार्मिक पर्यटन

सच संवाददाता || सागर

देश में बढ़ते सड़कों के जाल और आधुनिक फोरलेन हाईवे और एक्सप्रेस-वे के साथ बन रहे इकोनॉमिक कॉरिडोर से लोगों का सफर आसान हो रहा है। अब बुंदेलखंड के लोगों को भी ये सुविधा मिलने जा रही है। सीधे फोरलेन हाईवे से कुछ ही घंटों में बनारस पहुंच जाएंगे। बाबा विश्वनाथ की नगरी तक पहुंचने के लिए ये सुविधा बुंदेलखंड के साथ महाकौशल और बघेलखंड के लोगों को भी मिलेगी। बता दें कि मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में देश भर में मेगा हाईवे प्लान तैयार किया गया था, जिसके तहत देश भर में प्रस्तावित 44 में से 20 इकोनॉमिक कॉरिडोर का काम शुरु होने जा रहा है। इसी में सागर-वाराणसी इकोनॉमिक कॉरिडोर भी शामिल है।

धार्मिक पर्यटन के साथ माल परिवहन में आएगी क्रांति

खास बात ये है कि मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड और महाकौशल अंचल के धार्मिक पर्यटन स्थल इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए सीधे वाराणसी और उत्तर प्रदेश के अन्य पर्यटन स्थलों से जुड़े जाएंगे। इस इकोनॉमिक कॉरिडोर से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ वन्यजीव पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा माल परिवहन के काम में तेजी आएगी और मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के जरिए उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के महानगर आपस में जुड़ेंगे, जिससे आर्थिक गतिविधियां बढ़ेगी, जो दोनों राज्यों के औद्योगिक विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

इकोनॉमिक कॉरिडोर

उत्तरप्रदेश और मध्यप्रदेश के बुंदेलखंड के साथ महाकौशल और बघेलखंड अंचल सीधे बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी से जोड़ा जा रहा है। सागर-वाराणसी इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए मध्यप्रदेश के इंदौर, भोपाल और जबलपुर शहर से फोरलेन सड़क से जुड़ेगा। इस मार्ग की लंबाई करीब 524 किमी होगी। इन इलाकों को फोरलेन हाईवे से जोड़ा जा रहा है। एक अनुमान के मुताबिक अभी लगने वाले समय से एक चौथाई कम समय लगेगा।

केन्द्र सरकार की परियोजना

मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में मेगा हाईवे प्लान तैयार किया गया था। करीब 7 लाख करोड़ के मेगा हाईवे प्लान के तहत 83 हजार किमी से ज्यादा फोरलेन हाईवे बनाने की योजना तैयार की गई थी। जिसमें पहले चरण में देश भर में प्रस्तावित 44 इकोनॉमिक कॉरिडोर में से 20 इकोनॉमिक कॉरिडोर का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। इसमें उत्तरप्रदेश को 7 इकोनॉमिक कॉरिडोर की सौगात मिली थी। जिसमें सागर से वाराणसी कॉरिडोर का काम शुरू हो चुका है। यूपी और एमपी के बुंदेलखंड के जरिए उत्तरप्रदेश के वाराणसी को मध्यप्रदेश के सभी प्रमुख बड़े शहरों से जोड़ा जा रहा है। सागर वाराणसी कॉरिडोर मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल, व्यावसायिक राजधानी इंदौर और जबलपुर से जुड़ जाएगा।

सागर-वाराणसी कॉरिडोर परियोजना

केंद्र सरकार के सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित सागर वाराणसी कॉरिडोर 524 किलोमीटर लंबा होगा। सागर से दमोह, कटनी और रीवा के जरिए बाबा विश्वनाथ की नगरी वाराणसी को जोड़ा जाएगा। सागर- वाराणसी इकोनॉमिक कॉरिडोर के लिए फोरलेन हाईवे बनाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य माल ढुलाई में तेजी लाने के साथ-साथ मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के पर्यटन केंद्रों को आपस में जोड़ना है।जानकार बताते हैं कि प्रोजेक्ट पूरा हो जाने पर एक चौथाई समय की बचत होगी। एनएचएआई के सर्वे के तहत फिलहाल मार्ग पर करीब 10 हजार वाहन रोजाना गुजरते हैं। 2018-19 में शुरू हुआ इकोनॉमिक कॉरिडोर का काम फिलहाल चल रहा है। फोरलेन हाईवे बन जाने से वाहनों की संख्या बढ़ाने के कारण रूट पर 14 ट्रैफिक मेजरमेंट प्वाइंट भी बनाए जा रहे हैं।